

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.बी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.बी.एस.-008 : वैदिक गणित एवं सृष्टि विज्ञान

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

खण्ड-क

निर्देश—निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. वैदिक गणित के स्रोत एवं सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
2. अंकगणित के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।

3. वैदिक गणित के आधारभूत ग्रंथों को लिखिए।
4. वेदेतर भारतीय गणित का स्वरूप लिखिए।
5. वैदिक बीजगणित में सूत्रों के अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।
6. आर्यभट्ट एवं ब्रह्मगुप्त का परिचय लिखिए।

खण्ड-ख

निर्देश—अधोलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. गणित की तकनीकी शब्दावलियों का उल्लेख कीजिए।
2. महावीर आचार्य एवं श्रीपति का परिचय लिखिए।
3. लीलावती के आधार पर बीजगणित का परिचय लिखिए।
4. कोण, लम्ब और कर्ण का स्वरूप लिखिए।
5. भास्कराचार्य की लीलावती का परिचय लिखिए।
6. बीजगणित के उपसूत्रों के अनुप्रयोग का उल्लेख कीजिए।
7. दशमलव, वर्गमूल एवं घनमूल पर उदाहरण सहित टिप्पणी लिखिए।

× × × × × × ×